खण्ड-11, अंक-1, वर्ष-2023, मु0प्र0 68-74
D.O.I.: https://doi.org/10.22445/avsp.v11i1.10
SJIF (2023) : 8.124

Nobel laureates (year 2023) and their research-a review

Divya Rastogi, Surabhi Agrawal, Sakshi Gupta, Km Mahnigar, Mariam Shafaq and Avaneesh Kumar
Students-M.Sc. Mathematics, Semester-3
B.S.N.V. Post Graduate College, Lucknow-226 001, U.P., India
rastogidivya200012@gmail.com, surabhiagarwal414@gmail.com, sakshinigohan@gmail.com,
mahnigar0912@gmail.com, mavnish477@gmail.com, 9335fi2a@gmail.com,

Received: 14-10-2023, Accepted: 23-10-2023

Abstract- The short review of academic introduction, reputed honours received and research of Nobel laureates for year 2023 in the areas of Physiology-Medicine, Physics, Chemistry, Literature, Peace and Economics is given in the present article.

Key words- Nobel laureates, Physiology, Physics, Chemistry, Literature, Peace and Economics

नोबेल पुरस्कार विजेता विद्वान (वर्ष 2023) एवं उनका शोध–एक समीक्षा

दिव्या रस्तोगी, सुरभि अग्रवाल, साक्षी गुप्ता, कु0 माहनिगर, मरियम शफक एवं अवनीश कुमार
विद्यार्थी, एम0एस–सी0 गणित, सेमेस्टर–3
बी0एस0एन0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ–226 001, उ0प्र0, भारत
divsriva@gmail.com

सार– प्रस्तुत लेख में वर्ष–2023 हेतु कार्यकी–चिकित्सा, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, साहित्य, शांति एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्रों में दिये जाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता विद्वानों का शैक्षणिक परिचय, प्राप्त प्रतिष्ठित सम्मान एवं उनके शोध की संक्षिप्त समीक्षा की गई है।

बीज शब्द– नोबेल पुरस्कार विजेता विद्वान, चिकित्सा, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, साहित्य, शांति, अर्थशास्त्र

1. **कार्यकी–चिकित्सा के क्षेत्र में**– वर्ष 2023 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा नियुक्त नोबेल एसेम्बली ने केरोलिन्स्का इंस्टीट्यूट, स्वीडन, में दिनांकः 02.10.2023(सोमवार) को हंगेरियन–अमेरिकी बायोकेमिस्ट **कैटालिन कारिको** और अमेरिकी चिकित्सक वैज्ञानिक **ड्रयू वीसमैन** को संयुक्त रूप से **"फॉर देयर डिस्कवरीज कंसर्निंग बेस मोडिफिकेशन दैट अनेबिल्ड द डेवलेपमेंट ऑफ इफैक्टिव mRNA वैक्सीन अगेन्स्ट कोविड–19"** हेतु चुना गया। समिति के अनुसार, दोनों वैज्ञानिकों के शोध से एक साल से कम समय में mRNA कोरोना रोधी वैक्सीन की राह आसान हुई, जिससे लाखों लोगों की जिंदगी बचाई जा सकी। इस शोध के माध्यम से उन दोनों वैज्ञानिकों ने यह बताया कि mRNA हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ कैसे संपर्क करता है। mRNA तकनीक पारंपरिक टीको से अलग है। शोध में पाया गया कि जब हमारे शरीर में कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है, तो यह तकनीक उस वायरस से लड़ने के लिए हमारी कोशिकाओं को प्रोटीन बनाने का संदेश भेजती है। इससे हमारे प्रतिरोधक तंत्र को जो आवश्यक प्रोटीन चाहिए, वह मिल जाता है। mRNA तकनीक द्वारा "फायजर" तथा "मॉडर्न" नामक कोविड वैक्सीन का निर्माण किया गया। वर्ष 1901 से प्रारंभ हुए नोबेल पुरस्कारों में कार्यकी–चिकित्सा के क्षेत्र में यह 114 वां पुरस्कार है।[1,2]

कैटालिन कारिको
(जन्म–1955, स्ज्जोलनोक, हंगरी)

ड्रयू वीसमैन
(जन्म–1959, लेक्सिंगटन, मैसाक्यूसेट्स, अमेरिका)

कैटालिन कारिकोका शैक्षणिक परिचय एवं प्राप्त सम्मान– 68 वर्षीय कैटालिन कारिको का जन्म 17 जनवरी,1955 में हंगरी के स्जोलनोक में हुआ था। उन्होंने अपनी पी–एच0डी0 की डिग्री 1982 में सेज्ड विश्वविद्यालय से प्राप्त की और 1985 तक सेज्ड में हंगेरियन एकेडमी ऑफ साइंसेज में पोस्टडॉक्टोरल शोध किया। इसके बाद उन्होंने टेंपल यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया और यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस बेथेस्डा में पोस्टडॉक्टोरल शोध किया। उन्होंने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय बायोएनटेक आरनए फार्मास्यूटिकल्स तथा सेज्ड विश्वविद्यालय में भी अपना योगदान प्रदान किया। दस हंगेरियन वैज्ञानिकों और लेखकों के बाद, कैटालिन 11वीं हंगेरियन नोबेल पुरस्कार विजेता और नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली हंगेरियन महिला हैं।[1,2,3]

ड्रयू वीसमैन का शैक्षणिक परिचय एवं प्राप्त सम्मान– 64 वर्षीय ड्रयू वीसमैन का जन्म 7 सितंबर,1959 में लेक्सिंगटन, मैसाचुसेट्स, अमेरिका में हुआ था। उन्होंने अपनी पीएचडी डिग्री 1987 में बोस्टन विश्वविद्यालय से प्राप्त की। उन्होंने हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के बेथ इजराइल डीकोनेस मेडिकल सेंटर में अपना नैदानिक प्रशिक्षण और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ में पोस्टडॉक्टरल शोध किया। 1997 में, वीसमैन ने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में पेरेलमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन में अपना शोध समूह स्थापित किया। वह वैक्सीन रिसर्च में रॉबर्ट्स फैमिली प्रोफेसर और आरएनए इनोवेशन के लिए पेन इंस्टीट्यूट के निदेशक है। वीसमैन के द्वारा प्राप्त पुरस्कारों व सम्मानों में रोसेनस्टील पुरस्कार(2020), लास्कर–डेबेकी क्लीनिकल मेडिकल रिसर्च अवॉर्ड(2021), विनफ्यूचर पुरस्कार(2022), हार्वे पुरस्कार(2023) आदि प्रमुख हैं।[1,2,4]

पुरस्कार राशि– नोबेल पुरस्कार देने वाली संस्था द्वारा बताया गया कि **10 दिसम्बर, 2023** को स्वीडन में दोनों वैज्ञानिकों को सम्पूर्ण पुरस्कार राशि (11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये)का आधा हिस्सा बराबर–बराबर प्राप्त होंगे।[1,2]

2. **भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में**– वर्ष 2023 में भौतिक विज्ञान में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ऑफ साइंस द्वारा 03.10.2023(मंगलवार) को तीन भौतिकविदों अमेरिका के **पियरे एगोस्टिनी**, जर्मनी के **फ्रैंक क्रॉज** और स्वीडन की **एनी एल. हुइलियर** का चयन उनके उत्कृष्ट कार्य "**फॉर एक्सपेरिमेंटल मेथड्स दैट जनरेट एटोसेकंड पल्सेज ऑफ लाइट फॉर द स्टडी ऑफ इलेक्ट्रॉन डायनमिक्स इन मैटर**" के आधार पर किया गया। इन वैज्ञानिकों ने एटोसेकंड (1 एटोसेकंड = 1 × 10^{-18} सेकंड, से भी कम समय में अणु और परमाणु के भीतर इलेक्ट्रॉन की गतिविधियों को समझने के लिए सशक्त आधार उपलब्ध कराया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के अनुसार इन वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के दौरान प्रकाश की अत्यंत छोटी तरंगें तैयार करने का बेहतर तरीका भी प्रदर्शित किया है। जिसका प्रयोग उन प्रक्रियाओं को मापने के लिए किया जा सकता है जिनमें इलेक्ट्रॉन चलते हैं या ऊर्जा बदलते हैं। पुरस्कार चयन समिति की सदस्य इवा ओल्सन ने कहा कि एटोसेकंड प्रकाश तरंगे पैदा करने वाले इस अध्ययन ने इलेक्ट्रॉन की दुनिया को बेहतरी से समझने के द्वार खोल दिए हैं। यह अध्ययन इन विट्रो–डायग्नोस्टिक तकनीक से बीमारियों की बेहतर पहचान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एटोसेकंड भौतिकी कंप्यूटिंग और दूरसंचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक तेज इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास को बढ़ावा दे सकता है। जीव विज्ञान से लेकर खगोल विज्ञान तक के क्षेत्र में अनुप्रयोगों के साथ, एटोसेकंड पल्स को संशोधित करने की क्षमता उच्च रेजोल्यूशन इमेजिंग तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी में मदद करती है। इसका पदार्थ विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और कैटेलिसिस जैसे क्षेत्रों में जिसमें त्वरित रूप से हो रहे परिवर्तनों को समझना महत्वपूर्ण होता है पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

पियरे एगोस्टिनी
(जन्म–1941, टयूनीश, टयूनीशिया)

फ्रैंक क्रॉजएनी
(जन्म–1962, मोर, हंगरी)

एल. हुइलियर
(जन्म–1958, पेरिस,फ्रांस)

पियरे एगोरिस्टनीका शैक्षणिक परिचय व प्राप्त सम्मान– 82 वर्षीय पियरे एगोस्टिनी का जन्म टयूनीश, टयूनीशिया में 23 जुलाई, 1941, को हुआ था। वर्ष 1959 में फ्रांस के प्रिटनी नेशनल मिलिटेयर स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1968 में उन्होंने मल्टीलेयर डाईइलेक्ट्रिक फिल्टर पर डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उनके द्वारा प्राप्त पुरस्कारों व सम्मानो में गुस्ताव रिबॉड पुरस्कार (1995), गेलुसाक हमबोल्ट पुरस्कार (2003), विलियम एफ मेगर्स पुरस्कार (2007) प्रमुख हैं।[1,2,5]

फ्रैंक क्रॉज का शैक्षणिक परिचय व प्राप्त सम्मान– 61 वर्षीय फ्रैंक क्रॉज का जन्म 17मई, 1962 को मोर, हंगरी में हुआ था। उन्होंने 1987 से 1991 तक ऑस्ट्रिया में वियना के तकनीकी विश्वविद्यालय में पी–एच0डी0 के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 2003 में उन्हें गर्चिंग में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर क्वांटम ऑप्टिक्स का निदेशक नियुक्त किया गया। रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी प्रोग्रेस मेडल (2006), मानद फैलोशिप (2013), ओटो हैन पुरस्कार (2015), क्लेरिवेट प्रशस्ति पत्र पुरस्कार (2015) आदि इनके द्वारा प्राप्त सम्मानों में प्रमुख है।[1,2,6]

एनी एल. हुइलियर का शैक्षणिक परिचय व प्राप्त सम्मान– 65 वर्षीय एनी एल. हुइलियर का जन्म 16 अगस्त 1958 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था। वह एक फ्रांसीसी स्वीडिश भौतिक वैज्ञानिक हैं। भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाली एनी पांचवीं महिला हैं। उन्होंने प्रारंभ में गणित और भौतिकी दोनों का अध्ययन किया, परंतु डॉक्टरेट के लिए प्रौद्योगिकी भौतिकी पर ध्यान केंद्रित किया। वर्ष 1986 में पोस्ट डॉक्टरल पद प्राप्त किया और फिर लुंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन में भौतिकी की प्रोफेसर नियुक्त हुईं। इनके द्वारा प्राप्त पुरस्कारों में यूनेस्को लॉरियल अवार्ड(2011), वॉल्फ प्राइज(2022), ब्लेस पास्कल मेडल(2022) आदि प्रमुख हैं।[1,2,7]

पुरस्कार राशि– 10 दिसम्बर, 2023 को स्वीडन में तीनों नोबेल विजेताओंको सम्पूर्ण पुरस्कार राशि (11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या 9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये) का एक–तिहाई, अर्थात् लगभग 2 करोड़ 70लाख रुपया बराबर–बराबर प्राप्त होगा।[1,2]

3. **रसायन विज्ञान के क्षेत्र में–** वर्ष 2023 में रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा स्वीडन में दिनांकः 04.10.2020(बुधवार) को मैसाक्यूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यू0एस0ए0, के **प्रो0 माउंगी जी0 बावेंडी**, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यू0एस0ए0, के **प्रो0 लुइस ई0 ब्रूस**, नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी इंक, यू0एस0ए0, के **एलेक्सी आई. एकीमोव** को उनके अभूतपूर्व कार्य "**फॉर द डिस्कवरी एण्ड सिन्थेसिस ऑफ क्वांटम डॉट्स**" हेतु प्रदान किया गया है। रसायन नोबेल समिति के अध्यक्ष जोहान एक्विस्ट के अनुसार, क्वांटम डॉट्स(नैनोकण) में कई आकर्शक और असामान्य गुण हैं, महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके छोटे आकार के आधार पर उनके अलग–अलग गुण होते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक अब टेलीविजन और एल.ई.डी. लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं, और कई अन्य चीजों के अतिरिक्त ट्यूमर ऊतक को हटाते समय चिकित्सा सर्जनों का मार्गदर्शन भी कर सकते हैं। रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। यद्यपि, जब पदार्थ नैनो–आयामों में सिकुड़ जाता है तो क्वांटम घटनाएँ उत्पन्न होती हैं। ये पदार्थ के आकार से नियंत्रित होते हैं।

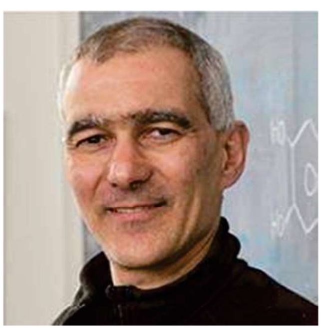

माउंगी जी0 बावेंडी
(जन्म–1968, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी)

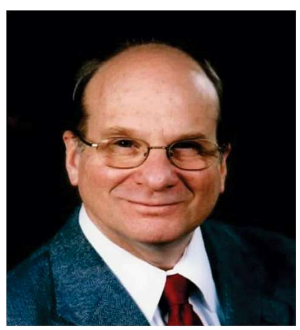

लुइस ई0 ब्रूस
(जन्म–1968, बेलशिल, यू0के0)

एलेक्सी आई0 एकीमोव
(जन्म–1941, फिलाडेल्फिया, यू0एस0ए0)

रसायन विज्ञान 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं। कण, जिन्हें क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, वर्तमान नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत महत्व रखते हैं। हालाँकि, 1980 के दशक की शुरुआत में, एलेक्सी एकिमोव रंगीन कांच में आकार–निर्भर क्वांटम प्रभाव बनाने में सफल रहे। रंग कॉपर क्लोराइड के नैनोकणों से आया

और एकिमोव ने प्रदर्शित किया कि कण का आकार क्वांटम प्रभावों के माध्यम से कांच के रंग को प्रभावित करता है। कुछ वर्षों बाद, लुई ब्रूस दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने किसी तरल पदार्थ में स्वतंत्र रूप से तैरते कणों में आकार–निर्भर क्वांटम प्रभाव को साबित किया। 1993 में, मौंगी बावेंडी ने क्वांटम डॉट्स के रासायनिक उत्पादन में क्रांति ला दी, जिसके परिणामस्वरूप लगभग पूर्ण कण प्राप्त हुए। अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए यह उच्च गुणवत्ता अत्यधिक आवश्यक थी। क्वांटम डॉट्स अब क्यू.एल.ई.डी. तकनीक पर आधारित कंप्यूटर मॉनिटर और टेलीविजन स्क्रीन को रोशन करते हैं। वे कुछ एल.ई.डी. लैंप की रोशनी में बारीकियां भी जोड़ते हैं, और बायोकेमिस्ट और डॉक्टर उनका उपयोग जैविक ऊतकों को मैप करने के लिए करते हैं। इस प्रकार क्वांटम डॉट्स मानव जाति के लिए सबसे बड़ा लाभ पहुँचा रहे हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि भविष्य में वे लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स, छोटे सेंसर, पतले सौर सेल और एन्क्रिप्टेड क्वांटम संचार में योगदान दे सकते हैं, इसलिए हमने इन छोटे कणों की क्षमता की खोज शुरू कर दी है।[1,2]

माउंगी जी0 बावेंडी का शैक्षणिक परिचय एवं प्राप्त सम्मान– 62 वर्षीय माउंगी जी0 बावेंडी का जन्म 15 मार्च, 1961 को पेरिस, फ्रांस, में हुआ था। बावेंडी ने अपनी ग्रेजुएट डिग्री ए.बी. 1982 में तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री ए.एम. 1983 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पूर्ण की। बावेंडी ने अपनी पी–एच0डी0 डिग्री यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो से वर्ष 1988 में प्रो0 कार्ल फ्रीड तथा प्रो0 टकाशी ओका के दिशा निर्देश में प्राप्त की। इनके द्वारा प्राप्त पुरस्कारों में स्लोन रिसर्च फैलोशिप(1994), नोबेल सिग्नेचर अवार्ड फॉर ग्रेजुएट एजूकेशन इन केमिस्ट्री(1997), सैकलर प्राइज इन फिजिकल केमिस्ट्री ऑफ एडवांस्ड मैटीरियल्स(2001), अर्नेस्ट ऑर्लेन्डो लॉरेन्स अवार्ड(2006), सदस्य–अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस(2003), अमेरिकन एकेडेमी ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस(2004), नेशनल एकेडेमी ऑफ साइंस(2007), अमेरिकन केमिकल सोसायटी इन कोलाइड एण्ड सरफेस केमिस्ट्री(2010), सेमी अवार्ड फॉर नॉर्थ अमेरिका फॉर क्वांटम डॉट रिसर्च(2011),क्लेरिवेट साइटेशन लॉरियेट इन केमिस्ट्री(2020)आदि प्रमुख हैं।[1,2,8]

लुइस ई0 ब्रूस का शैक्षणिक परिचय एवं प्राप्त सम्मान– 80 वर्षीय लुइस ई0 ब्रूस का जन्म 10 अगस्त, 1944 को क्लीवलैंड, आहियो, यू0एस0ए0, में हुआ था। ब्रूस ने अपनी ग्रेजुएट डिग्री ए.बी. 1961 में राइस यूनिवर्सिटी से तथा कोलम्बिया यूनिवर्सिटी से केमिकल फिजिक्स में पी–एच0डी0 वर्ष 1969 में प्रो0 रिचर्ड बर्शाहन के दिशा निर्देशन में प्राप्त की। इनके द्वारा प्राप्त पुरस्कारों में इर्विंग लैंगमुइर प्राइज इन केमिकल फिजिक्स(2001), सदस्य–नेशनल एकेडेमी ऑफ साइंसेज(2004), आर0डब्ल्यू वुड प्राइज(2006), कावली प्राइज(2008), विलियर्ड गिब्स अवार्ड(2009), नास अवार्ड इन केमिकल साइंसेज(2010), बोवर अवार्ड एण्ड प्राइज फॉर अचीवमेंट इन साइंस(2012) आदि प्रमुख हैं।[1,2,9]

एलेक्सी आई0 एकीमोव का शैक्षणिक परिचय एवं प्राप्त सम्मान– 78 वर्षीय एलेक्सी आई0 एकीमोव का जन्म 28 फरवरी, 1945 को सोवियत यूनियन में हुआ था। एकीमोव ने अपनी ग्रेजुएट डिग्री ए.बी. 1967 में लेनिगार्ड स्टेट यूनिवर्सिटी से तथा रशियन एकेडेमी ऑफ साइंसेज के लॉफ इंस्टीट्यूट में पी–एच0डी0 वर्ष 1974 में प्राप्त की। इनके द्वारा प्राप्त पुरस्कारों में यू0 एस0 एस0 आर0 स्टेट प्राइज(1976), आर0डब्ल्यू0 वुड प्राइज(2006) आदि प्रमुख हैं।[1,2,10]

10 दिसम्बर, 2023 को स्वीडन में तीनों नोबेल विजेताओं को सम्पूर्ण पुरस्कार राशि (11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या या 9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये) का एक–तिहाई, अर्थात् लगभग 2 करोड़ 70 लाख रुपया बराबर–बराबर प्राप्त होगा।[1,2]

4. **साहित्य के क्षेत्र में–** स्विडिश केमिस्ट इंजीनियर उद्योगपति डायनामाइट की खोज करने वाले अल्फ्रेड नोबेल द्वारा नोबेल प्राइज फाउंडेशन की स्थापना 1985 में किए जाने के बाद वर्ष 1901 से पाँच कैटेगरी में नोबेल पुरस्कार दिए जाने की शुरूआत की गई थी। इसी क्रम में हाल ही में 5 अक्टूबर (गुरुवार) को मानवीय भावनाओं की सरल शब्दों मे व्यक्त करने वाले अनकही की आवाज **जॉन फॉसे** को उनके अभिनव नाटकी तथा गद्य के लिए **"साहित्य का नोबेल पुरस्कार"** दिया गया है। जॉन फॉसे नार्वे के लेखक और नाटककार है। फॉसे का कार्य उनकी नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क पृष्ठभूमि की भाषा और प्रकृति में निहित है, जो नार्वेजियन दो अधिकारिक संस्करणों में आम बोलचाल में कम प्रयोग में लाया जाता है। जॉन फॉसे को उनकी लेखन शैली के लिए जाना जाता है। जिसे प्रायः "फौसे मिनिमलिज्म" कहा जाता है। उनकी शैली की विशेषता सरल न्यूनतम और मार्मिक संवाद है उनकी तुलना सैमुअल बेकेट और हेरोल्ड पिंटर जैसे साहित्यिक दिग्गजों से की जाती है। जिन्हें पहले ही साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनके विषय बबेतुकेपन निरर्थकता और फिर भी मानव स्थिति की शक्ति का पता लगाते है। दैनिक के भ्रम एवं विद्रोह करते हैं तथा वास्तविक कनेक्शन बताने में आने वाली कठिनाई का पता लगाते हैं। 1959 में जन्मे फॉसे ने 40 से अधिक नाटक लिखे है। हेनरिक इब्सन के बाद वह दूसरे नाटककार हैं, जिनके नाटकों का नार्वे में सबसे अधिक मंचन हुआ। उन्होंने उपन्यास, कविता संग्रह, लघु कथाएँ, निबंध और बच्चों की किताबें लिखी हैं। ड्रीम ऑफ ओटम, क्लोज्ड गिटार, विंटर आफ्टरनून, मार्निंग एंड इवनिंग उनकी प्रमुख कृतियां है। जॉन फॉसे और नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क साहित्य के भीष्म पितामह कहे जाने वाले टोमेई वेसास के साथ बहुत कुछ समानता है।[1,2]

जॉन फॉसे
(जन्म–1959, लिलीबोन, फ्रांस)

शैक्षणिक परिचय व प्राप्त सम्मान– जॉन फॉसे का जन्म 1959 में नार्वे में हुआ। उन्होंने सारंगी भी बजाई और बड़े होकर, वह साम्यवाद और अराजकतावाद से प्रभावित अभ्यास में संगीत के टुकड़ो के लिए अपने स्वयं के गीत तैयार किये थे और उन्होने खुद को "हिप्पी" बताया में दाखिला लिया और तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन किय। जिस दौरान फॉसे ने वर्गन विश्वविद्यालय में नाइनोर्स्क में लिखना प्रारंभ किया। उनका पहला उपन्यास, राउइट स्वार्ट (रेड, ब्लैक) 1983 में प्रकाशित हुआ था। उन्होंने 1985 मे दूसरा उपन्यास स्टेंग्ड गिटार (क्लोज्ड गिटार) और 1986 में एक काव्य चक्र एंगेल मेड बटन आई ऑजीन प्रकाशित किया। इन्होने 1992 में नाइनोर्स्क साहित्य पुरस्कार जीता। फॉसे के काम को अक्सर उत्तर–नाटकीय रंगमंच की परंपरा के भीतर रखा गया है। इन्हें 1996 में डबसेन पुरस्कार, 1997 में ऐराहोउग पुरस्कार, 2000 में नॉर्डिक नाटककार पुरस्कार, 2004 में डिक्टाटविला पुरस्कार 2010 में इनसेन पुरस्कार, 2012 में लक्ष्य पुरस्कार 2016 में विली ब्रांट पुरस्कार कथा साहित्य के लिए 2021 में ब्रेज पुरस्कार मिला।[1,2,11]

पुरस्कार राशि– साहित्य मे नोबेल पुरस्कार स्वीडिश एकेडेमी स्टॉकहोम स्वीडन द्वारा प्रदान किया जाता है। 2023 मे नोबेल पुरस्कार की सम्पूर्ण राशि (11.0 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या 9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपय) के साथ एक प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जायेगा।[1,2]

5. **शांति के क्षेत्र में–**

नरगिस मोहम्मदी
(जन्म–1972, जांजन प्रांत, ईरान)

रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच वर्ष 2023 में शांति के नोबेल पुरस्कार हेतु दिनांकः 07.10.2023(शनिवार) को नॉर्वीजियन नोबेल समिति, ओस्लो, नॉर्वे, की अध्यक्ष बेरिट रीज एण्डरसन द्वारा ईरानी कार्यकर्त्ता **नरगिस मोहम्मदी** को **ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई तथा सभी के लिये मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता हेतु उनके संघर्ष के लिये** प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार, 2023 प्रदान किये जाने की घोषणा की गयी है।यह पुरस्कार शासन की अविवेकपूर्ण नीतियों की आलोचना करने के अधिकार को बढ़ावा देने तथा नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करने में उनके योगदान को मान्यता देता है।अकादमी के अनुसार, इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार उन सैकड़ों–हज़ारों लोगों को भी सम्मानित करता है, जिन्होंने महिलाओं को निशाना बनाने वाली शासन की ऐसी धार्मिक नीतियों जो कि भेदभावपूर्ण एवं उत्पीड़नकारी थी, के खिलाफ संघर्ष किया है। ईरानी प्रदर्शनकारियों द्वारा अपनाया गया आदर्श वाक्य–"**वूमेन – लाइफ –फ्रीडम**"– नरगिस मोहम्मदी के संघर्ष और कार्य को उपयुक्त रूप से व्यक्त करता है।[1,2]

जीवन परिचय एवं प्राप्त सम्मान– वर्ष 1972 में ईरान के जांजन सूबे के एक मध्यवर्गीय परिवार में नरगिस पैदा हुईं। पिता एक किसान थे, मगर ननिहाल सियासी था। नरगिस एक जहीन दिमाग लड़की थीं। स्कूली पढ़ाई के बाद यूनिवर्सिटी में "**न्यूक्लियर फीजिक्स**" में

दाखिला मिलना एक बड़ी बात थी। उन्होंने ईरान में महिलाओं के दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने ईरान में मानवाधिकारों को बढ़ावा दिया और सभी के लिए स्वतंत्रता का समर्थन किया। सुश्री मोहम्मदी उस देश में मृत्युदंड के खिलाफ वकालत करती हैं, जहाँ अधिकांशतः फाँसी की सज़ा की जाती हैं। कॉलेज के दिनों से ही वह महिलाओं के अधिकारों की प्रबल समर्थक थीं। जेल में बंद कार्यकर्त्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने के उनके प्रयासों के लिये उन्हें वर्ष 2011 में पहली बार गिरफ्तार किया गया था। जेल में रहते हुए उन्होंने राजनीतिक कैदियों, विशेषकर महिलाओं के खिलाफ शासन द्वारा यातना एवं यौन हिंसा के व्यवस्थित उपयोग का विरोध करना प्रारंभ कर दिया, जो कि ईरानी जेलों में किया जाता है। महसा अमिनी विरो प्रदर्शन (ईरानी हिजाब आंदोलन) के दौरान, उन्होंने प्रदर्शनकारियों के लिये जेल से समर्थन व्यक्त किया तथा अपने साथी कैदियों के बीच एकजुटता का आयोजन किया। ईरानी सरकार द्वारा नोबेल समिति के इस निर्णय का विरोध किया गया है। इसके प्रत्युत्तर में नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीज एण्डरसन ने बताया कि "पुरस्कार किसी के विरोध में नहीं, किसी के कार्यों के सम्मान में प्रदान किये गये हैं।"[1,2,12]

मोहम्मदी द्वारा प्राप्त अन्य पुरस्कार हैं—अलेक्जेंडर लैंगर पुरस्कार (2009), वर्ष 2023 की शुरुआत में यूनेस्को/गिलर्मो कैनो वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम पुरस्कार और ओलोफ पाल्मे पुरस्कार। उनकी पुस्तक "**व्हाइट टॉर्चर— इंटरव्यूज़ विद ईरानी वूमेन प्रिज़नर्स**" ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव तथा मानवाधिकार फोरम में रिपोर्टेज़ के लिये एक पुरस्कार भी जीता।[1,2,14]

पुरस्कार राशि— 10 दिसम्बर, 2023 को स्वीडन में नोबेल विजेता को सम्पूर्ण पुरस्कार राशि (11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या 9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये) व एक प्रतीक चिन्ह प्राप्त होगा।[1,2]

6. **अर्थशास्त्र के क्षेत्र में—**

क्लाउडिया गोल्डिन
(जन्म—1946, न्यूयॉर्क, यू.एस.ए.)

रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ऑफ साइंसेज के मुख्य सचिव प्रोफेसर गोरान के0 हैनसन् ने स्टॉकहोम, स्वीडन, में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा दिनांकः 08.10.2022(रविवार) को की। वर्ष 2023 में, अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में अर्थशास्त्र विज्ञान के लिए प्रदान किया जाने वाला सवेरिजेस रिक्सबैंक पुरस्कार हेतु हावर्ड यूनिवर्सिटी, अमेरिका की प्रोफेसर व अर्थशास्त्री **क्लाउडिया गोल्डिन** को उनके उत्कृष्ट कार्य **"फॉर हैविंग एडवांस्ड अवर अंडरस्टैंडिंग ऑफ वूमेन्स लेबर मार्केट आउटकम्स**"(श्रम बाजार में लैंगिक असमानता की समझ बढ़ाने वाले अध्ययन) हेतु चुना गया। नोबेल समिति के अनुसार, स्वयं के लैंगिक अंतर को कम करने की दिशा में एक छोटा कदम है, क्योंकि गोल्डिन महज तीसरी महिला हैं, जिन्हें अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार हेतु चुना गया है। वर्ष 2009 में एलिनोर ओस्ट्रोम और वर्ष 2019 में एस्थर डुफ्लो को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। अब तक कुल मिलाकर 93 अर्थशास्त्रियों को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ने कहा कि क्लाउडिया गोल्डिन के शोध से श्रम बाजार में लैंगिक असमानता के मुख्य स्रोतों का पता चलता है। उनके शोध ने हमें श्रम बाजार में महिलाओं की ऐतिहासिक और समकालीन भूमिकाओं में नई और अक्सर आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि दी है।[1,2]

क्लाउडिया गोल्डिन का शैक्षणिक परिचय व प्राप्त सम्मान— 77 वर्षीय क्लाउडिया गोल्डिन का जन्म 14 मई, 1946, को न्यूयॉर्क, अमेरिका, में एक ज्यूस परिवार में हुआ था। 1967 में गोल्डिन ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यू0एस0ए0, से अर्थशास्त्र में बी0ए0 की उपाधि, 1969 व 1972 में शिकागो यूनिवर्सिटी, यू0एस0ए0, से अर्थशास्त्र में एम0ए0 एवं पी0एच—डी0 की उपाधि प्राप्त की। गोल्डिन का शोध क्षेत्र श्रम अर्थशास्त्र व अर्थशास्त्र का इतिहास रहा। इनके डॉक्टोरल एडवाइजर प्रो0 रॉबर्ट फॉगेल थे। गोल्डिन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय, नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया आदि प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं प्रदान की। गोल्डिन द्वारा प्राप्त पुरस्कारों में आई.जेड.ए. प्राइज इन लेबर इकोनामिक्स(2016), इरविन प्लीन नेम्मर्स प्राइज इन इकोनॉमिक्स(2020) आदि प्रमुख है।[1,2,13]

शोध समीक्षा

पुरस्कार राशि– 10 दिसम्बर, 2023 को स्वीडन में नोबेल विजेता को सम्पूर्ण पुरस्कार राशि (11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर या 9 लाख 86 हजार यूएस डॉलर या करीब 8 करोड़ 10 लाख रुपये) का एक–तिहाई, अर्थात् लगभग 2 करोड़ 43 लाख बराबर–बराबर प्राप्त होगा।[1,2]

उल्लेखनीय है कि विश्व के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्य तिथि (10 दिसम्बर, 1896) को स्वीडन में प्रदान किये जाते हैं।[1,2]

References

1. www.nobelprize.org
2. Daily Hindi News Paper-Dainik Bhaskar, Dainik Jagran, Amar Ujala, Hindustan, dated: 03-10 October, 2022
3. https://en.wikipedia.org/wiki/Katalin_Karik%C3%B3
4. https://en.wikipedia.org/wiki/Drew_Weissman
5. https://en.wikipedia.org/wiki/Pierre_Agostini
6. https://en.wikipedia.org/wiki/Ferenc_Krausz
7. https://en.wikipedia.org/wiki/Anne_L%27Huillier
8. https://en.wikipedia.org/wiki/Moungi_Bawendi
9.. https://en.wikipedia.org/wiki/Louis_E._Brus
10. https://en.wikipedia.org/wiki/Alexey_Ekimov
11. https://en.wikipedia.org/wiki/Jon_Fosse
12. https://en.wikipedia.org/wiki/Narges_Mohammadi
13. https://en.wikipedia.org/wiki/Claudia_Goldin